joining you in congratulating our scientists on the success of 'Prithvi.' They are also expressing their concern for 'Agni.' You may make a statement on 'Agni' at you convenience...*(Interruptions)*.... Now we are in the midst of Zero Hour.

RE. GRAVE LAW AND ORDER SITUATION IN U.P.—CONTD.

उपसभापति :राजनाथ सिंह जी, आप अपना वक्तव्य कक्लूउ करें। You go back to what is happening in Uttar Pradesh.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : (उत्तर प्रदेश) मैडम, प्रधान मंत्री जी उत्तर प्रदेश के भी हैं। वह इलेक्शन में वहां 40 दफा जा सकते हैं तो अभी उत्तर प्रदेश में जो आग लगी हैं अपहरण और हत्याओं की .....(**व्यवधान**).....

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): He is going to Orissa.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Yes, he is going to Orissa.

But, can he not stay for another five minutes here?

We all share the agony of Orissa.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is going there with other leaders also. That is why Shri Sikander Bakht was kind enough to cooperate in making the statement by the hon. Prime Minister.

श्री राजनाथ सिंह :(उत्तर प्रदेश)-मैडम, मुझे यह कहने में संकोच नहीं हैं कि श्री ब्रहम दत्त द्विवेदी एक ऐसे कद्दावर नेता थे कि जिन के कारण उत्त्र प्रदेश के विशेष रूप से 4 जनपदों में भारतीय जनता पार्टीग् को जनाधार मिला था। वहां फैले आतंक औरिहसा के खिलाफ चट्टान की तरह खड़ा होने वाले अगर कोई नेता थे, तो वह श्री बम्हदत्त द्विवेदी थे। मैडम, मैंने जिन बिदुंओं का विशेष रूप से उल्लेख किया हैं, उस में

2 जून का राज्य अतिथि गृह हत्याकांड भी हैं जिस के वे चश्मदीद गवाह थे। उस मामले में सी.बी.आई. इंक्वायरी कर रही हैं इस का भी वह संज्ञान ले। साथ ही जिन परिस्थितियों में उन के फायर आर्म्स के लायसेंस निरस्त किए गए और उन की हत्या के 9 दिन बाद सारे फायर आर्म्स वापिस हो गए, इस का भी सी.बी.आई. संज्ञान ले। मैंडम, मैं आश्वस्त हूं कि सी.बी.आई. इंक्वायरी के द्वारा केवल पिस्तौल चलाने वाले हाथो की ही जानकारी नहीं मिलेगी बल्कि पिस्तौल चलाने के लिए उकसाने वाले जो दिमाग हैं, उन की भी जानकारी हो जाएगी और सारे ऐसे लोग पूरी तरह से बेनकाब हो जाएंगे।

मैडम, मैं एक और बड़ी घटना का भी उल्लेख कर देना चाहता हूं। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और यू.पी. कालेज में पुलिस के द्वारा अंधाधुंध फायरिंग की गयी जिस में काशी हिंदू विश्वविघालय के दो छात्र श्री सर्वेन्द्र मिश्र और मनोरंजन सिंह व यू.पी. कालेज के एक भूतपूर्व छात्र सी उपेन्द्र सिंह की हत्या हो गयी। मैंडम, इस समय उत्तर प्रदेश का पूरा छात्र समुदाय आंदोलित हैं और मुझे लगता हैं कि कहीं ऐसे हालत न पैदा हो जाएं कि उत्तर प्रदेश का पूरे का पूरा छात्र समुदाय आंदोलित हो उठे और वहां की सारी व्यवस्था को ठप्प करने की स्थिति में पहुंच जाए।

मैडम, मैं मांग करना चाहता हूं कि उन छात्रों की हत्या के लिए गोली चलाने में भी जिम्मेदार लोग हैं, उन के विरूद्व मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए औरि जन की गोली से हत्या हुई हैं, ऐसे आधिकारी अथवा ऐसे पुलिस-कर्मियों के विरूद्व धारा-302 का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। साथ ही जो छात्र मारे गए है, उन के परिवारों को कम सो कम पांच-पांच लाख रूपए की आर्थिक सहायता भी दी जानी चाहिए।

यह मैं मांग करता हूं। साथ ही बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के सारे मामले की न्यायिक जांच कराई जाने की भी मांग करता हूं।

मैडम, आज उत्तर प्रदेश में प्रशासिनक व्यवस्था भी बुरी तरह से छिन्न-भिन्न हो गई हैं। अधिकारियों का लगातार स्थानान्तरण चल राह हैं। एक एक आई.पी. एस., आई.ए.एस. अधिकारी ऐसे हैं, ि जनका वर्ष में आठ-आठ बार स्थानान्तरण हुआ हैं। कानपुर के एस.एस.पी. का स्थानान्तरण एक वर्ष में आठ-आठ बार हुआ हैं। ऐसे ऐसे अधिकारियों को पदस्थापित किया जा रहा हैं, जिनके विरूद्व मुजफ्फरनगर कांड में गंभीर

चार्जेज रहे हैं, जिनके विरूद्व चार्जशीट अदालत में सबमिट हो चुकी हैं।

उपसभापति : आप खत्म करें। यहां मेरे पास दूसरे नाम भी हैं। सिब्ते रजी साहब का भी नाम हैं।.....(**व्यवधान**)...

श्री राजनाथ सिंह : मैडम, भ्रष्टाचार का जहां तक सवाल हैं, मैं केवल एक उदाहरण भ्रष्टाचार के संबंध में देना चाहूंगा। मैं आरोप लगाने में संकोच नहीं करना चाहता कि ** करोड़ो रूपए का आयुर्वेद का घोटाला उत्तर प्रदेश में हुआ। सारा हिंदुस्तान इस बात को जानता हैं। सी.बी.आई. ने पत्र लिखकर राजभवन से अनुरोध किया कि हमें अदालत में चार्जशीट सबमिट करने की इजाजत राजभवन से मिलनी चाहिए, लेकिन सी.बी.आई. को राजभवन से यह इजाजत नहीं मिली कि करोड़ो रूपए के आयुर्वेद घोटालें के अभियुक्त के विरूद्व अदालत में चाग्रशीट प्रस्तुत की जा सके। एक अजीबो-गरीब स्थिति आज उत्तर प्रदेश में पैदा हो गई हैं। मैं राजनीतिक द्वेष के बारे में जयर चर्चा करना चाहूंगा,मैडम,।

उपसभापति : एक बात मैं आपको बता दूं कि हम यहां उत्तर प्रदेश के ऊपर कोई डिस्कशन नहीं कर रहे हैं, स्पेशल मेंशन कर रहे हैं। सिवाय प्रधानमंत्री के एक मिनट की स्टेटमेंट के 16 मिनट में से 15 मिनट आप बोल चुके हैं। दूसरे नाम भी मेरे पास हैं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैडम, हमने भी नाम दिए हुए हैं। .....(**व्यवधान**)...

उपसभापति : आपका नाम नहीं हैं। मेरे पास। ...(**व्यवधान**)...

श्री सतीश अग्रवाल : राजस्थान मैडम, उत्तर प्रदेश की स्थिति गंभीर हैं, इसलिए या तो इसी पर चर्चा होगी अन्यथा कोई और दूसरी चर्चा नहीं होगी। ...(**व्यवधान**).....

श्री राजनाथ सिंह :मैडम, एक मिनट और मैं कहना चाहूंगा। ...(**व्यवधान**).....मैडम, मै यह निवेदन करना चाहता था कि आज से चार महीने पहले वहां चुनाव हो चुका हैं, लेकिन आज तक वहां पर कोई लोकप्रिय सरकार का गठन नहीं हो सका। इलाहाबाद हाईकोर्ट की तीन जजों की बैंच ने जो फैसाल दिया हैं वह हम सभी अच्छी तरह से जानते है। जहां प्रसीडेण्ट रूल के प्रोक्लेमेशन नोटिफिकेशन को उसने क्वैस कर दिया, वहीं पर इन तीन जजों के बैंच ने यह भी कहा हैं, जिसका मैं यहां उल्लेख करना आवश्यक समझता हूं। इसमें, मैडम,

*Expunged as ordered by the Chair.

यह कहा हैं कि—

> "In their judgment, the Bench called the Proclamation ratified by the Parliament 'issued in colourable exercise of power and based wholly on irrelevant and extraneous grounds'."

और यह भी कहा हैं कि---

> "The Government did not initiate discussions with leaders of major political parties."

इसमें यह भी कहा गया है कि—

> "A floor test should have been thought of or considered."

इसमें यह भी कहा गया है कि—

> "There was no serious attempt by the Governor to preserve democracy."

यानी डेमोक्रेसी को प्रिजर्व करने के लिए उत्तर प्रदेश के राज्यपाल ने कोई पहल नहीं की। हाईकोर्ट ने भी कहा हैं कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा भंग नहीं की जानी चाहिए, यहां पर सरकार बनाने की संभवनाओं की तलाश की जानी चाहिए। लेकिन, आज तक उनके द्वारा कोई प्रयास नहीं किया गया हैं। मैडम, मैं राज्यपाल के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता,

लेकिन क्योकि आज वह केवल कंस्टीट्यूशनल हैड नहीं हैं बल्कि वह एक एग्जीक्यूटिव हैड के रूप में काम कर रहे हैं इसलिए मैं यह निवेदन करना चाहता हूं आपके माध्यम से, कि क्यों उत्तर प्रदेश में इस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या की जा रही हैं। हमारा पूरा विश्वास हैं कि जब तक राज्यपाल उत्तर प्रदेश में आज के, राज्यपाल उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र को कभी भी बहाल नहीं किया जा सकता, कानून और व्यवस्था की स्थिति में कभी भी सुधार नहीं लाया जा सकता। मैं मांग करना चाहता हूं, मैडम, कि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को तुरन्त् बरखस्त किया जाना चाहिए क्योकि तभी जाकर उत्तर परदेश के सामान्य स्थिति वापस हो सकती हैं। .....(**व्यवधान**)...

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) **:** मैडम

उपसभापति : एक सेकेण्ड ...(**व्यवधान**)..... एक सेकेण्ड। ...(**व्यवधान**)..... प्लीज, एक मिनट। ...(**व्यवधान**)..... आप बैठिए। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**).....

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, राजनाथ सिंह जी ने रक्षा मंत्री जी के बारे में जो कुछ कहा हैं, वह बिल्कुल निराधार और असत्य हैं। ...(**व्यवधान**).....

उपसभापति : आप बैठिए। ...(**व्यवधान**).....

श्री ईश दत्त यादव : और समाचार पत्रों में जो छपा हैं, उससे लगता हैं कि भारतीय जनता पार्टी के आंतरिक कलह से ब्रहमदत्त द्विवेदी की हत्या हुई हैं उसे उसमें भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता इन्वोल्व हैं। ...(**व्यवधान**)..... मैडम, यह समाचार पत्रों में जो आ रहा हैं, उससे लगता हैं, ...(**व्यवधान**)..... भारतीय जनता पार्टी के आंतरिक कलह से यह हत्या हुई हैं। ...(**व्यवधान**)..... इसमें भारतीय जनता पार्टी के बड़े बड़े नेता इन्वोल्व हैं और रक्षा मंत्री के बारे में जो कुछ कहा गया हैं, वह बिल्कुल निराधार ही, नहीं, असत्य हैं। ...(**व्यवधान**)..... इस हत्या के लिए मुझे भी चिंता हैं और सारा देश चिंतित हैं ...(**व्यवधान**)..... भारतीय जनता पार्टी की आंतरिक कलह से यह हत्या हुई हैं। जब आप शिक्षा मंत्री थे तो कितने बेगुनाह लोगो की हत्याएं हुई थी, इसका भी आप लेखा-जोखा दीजिए ...(**व्यवधान**)..... महोदया, राजनाथ सिंह ने बिल्कुल असंगत और निराधार आरोप लगाए हैं। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में छात्रों के ऊपर जो कातिलाना हमला हुआ और जो लोग उसमें मरे हैं, मैं अपनी पार्टी की ओर से उनके प्रति शोक प्रकट करता हूं और मांग करता हूं कि इसकी निष्पक्ष् जाचं कराई जाए और जो दोषी लोग हैं, उनको सजा दी जाए और मृतको के आश्रितों को मुआवजा दिया जाए ...(**व्यवधान**).....

उपसभापति : आप जरा शातिं करेगे हाऊस में, बैठिए ...(**व्यवधान**)..... ईश दत्त जी, बैठ जाइए ...(**व्यवधान**).....

श्री ईश दत्त यादव : आपने एक सिटिंग एम.पी. के ऊपर और एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री के ऊपर आरोप लगाया हैं कि नहीं लगाया हैं? श्री राजनाथ सिंह इस बात को बखूबी जानते हैं कि इस हत्या में कौन से लोग शामिल हैं ...(**व्यवधान**)..... राजनीतिक द्वेष की भावना से प्रेरित होकर रक्षा मंत्री के खिलाफ आप बोले ...(**व्यवधान**).....

SHRI SATISH AGARWAL: While Rome was burning, Nero was fiddling!

राजभवन मे हैलीपैड बनना चाहिए, यह उनकी प्रॉयोरिटी हैं।

श्री राजनाथ सिंह : राजभवन के लिए हैलीपैड बना हैं वहां पर।*

THE DEPUTY CHAIRMAN: One second ....*(Interruptions)*.... Please sit down. Mr. Chairman has permitted you and I allowed you to speak for a long time. If you do not want the Governor and if you feel he is not doing his job properly, there is a proper way to move a motion about it, if you like.

SHRI SATISH AGARWAL: This is a preface to that motion.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Being a very senior person, you know that.

SHRI SATISH AGARWAL: I have only said that this is a preface to the motion.

THE DEPUTY CHAIRMAN: But the preface should come in writing in a prop er order. My duty as the Presiding Offic er is and has always been to see that whatever you want to do, you do it in a proper way. There is a way to do it. So please come in a proper manner. But it is not proper to speak about a constitution al authority who is appointed by the President, whom you do not like, perhaps—and I have no objection to that much, but.....*(Interruptions)*...

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Rajasthan): The question of our not liking is that he is not behaving properly.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am just putting it in my own way. If some Members in this House feel that way, that he is not performing his duty according to what is expected, then there is a way to move it. If you like. I can read the matter. If you don't want it, then please confine yourself to law and order. If somebody is not performing his duty, there are way to mention it. It should be done in a proper manner but not irresponsibly on the floor of the House because it is not proper.

SHRI SIKANDER BAKHT: We are only demanding that he should be dismissed because, for whatever is happening in

Uttar Pradesh, it is the Governor who is responsible.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Because what I am reading...

विपक्ष के नेता श्री सिकन्दर बख्त : मैडम, इस वक्त कोई रेगुलर मोशन आपके सामने नहीं हैं ...(**व्यवधान**).....

†**شری سکندر بخت:** میڈم۔ اسوقت کوئی ریگولر موشن آپ کے سامنے نہیں ہے...مداخلت...

उपसभापति : अगर रेगुलर मोशन नहीं हैं तो फिर ...(**व्यवधान**).....

SHRI SIKANDER BAKHT: We can demand.

SHRI SATISH AGARWAL: There is a difference between a Governor acting as a Governor in a State where there is an elected Government and a Governor acting in a State in an executive capacity on behalf of the President. Here in U.P. the situation is different. He is exercising executive functions. He is not only the constitutional head of the State but he is also the executive head of the State.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Agar-wal Ji, I have not written the Constitution. Nor have I written the law. I am not the author of the Constitution. I am only telling you what is written here. It is entirely up to you how you want to implement it. But the Constitution is not written by me.

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: When there is a motion under rules there is no question of Constitution.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is, if you like. There is a provision that you move a substantitive motion. I am only trying to tell you what could be proper.

† Transliteration in Arabic Script

SHRI SIKANDER BAKHT: We will abide by what you say.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Thank you. सैयद सिब्ते रजी, आप बोलिए।

सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) **:** अभी कुछ देर पहले जो नजारा आपने देखा कि एक करता हैं क्रिया-और दूसरा करता हैं उस पर प्रतिक्रिया और उसके बाद शोर-शराबा होता हैं। बिल्कुल 8-9 साल से हमारा उत्तर प्रदेश इन्ही गतिविधियों का शिकार हो रहा हैं। एक तरफ साम्प्रदायिक तत्व कुछ बात करता हैं और दूसरी तरफ उसके जवाब में कुछ सो-काल्ड स्यूडो सेक्युलरिस्ट जो हैं वह आगे बढ़ते हैं। .....(**व्यवधान**)...

श्री त्रिलोकी नात चतुर्वेदी : हम भी सो-काल्ड कम्सुनिस्ट कह दीजिए बड़ी मेहरबानी होगी। .....(**व्यवधान**)...

सैयद सिब्ते रजी : हमारे प्रदेश की करोड़ो-करोड़ो जनता आज गसित हैं, प्रभावित है ऐसी चीजों से। विकास रूका हुआ हैं, विकास की कोई गतिविधि नहीं हो रही हैं। कानून व्यवस्था बिल्कुल चरमरा गई हैं। पिछले 3-4 के अंदर विशेष तौर से प्रशासन लुजं-पुंज हो गया हैं। एक विस्फोट स्थिति पर आज पूरा उत्तर प्रदेश खड़ा हुआ हैं, इस बात से तो दो राय नहीं हो सकती। जो हत्याएं हो रही हैं उसमें साधारण नागरिक की बात क्या की जाए। कप्तान मारे जा रहे हैं, पुलिस कप्तान मारे जा रहे हैं,एस.डी.एस. मारे जा रहे हैं, पूर्व प्रधानमंत्रभ् का धर सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस कार्यकर्त्ता के गनर्स मारे जा रहे हैं, राजनीतिक हत्याएं हो रही हैं और मैं कहता हूं कि ब्रह्मदत्त द्विवेदी की भी हत्या हत्याओं की एक कड़ी हैं। लेकिन यदि हमने इन इश्यूज को राजनीतिक इश्यू बनाकर तथा जनता के हित के जो हैं उनके ऊपर बात न करके इसी स्थिति के ऊपर जनता का ध्यान आकर्षित करते हैं, तो मैं समझता हूं कि यह कोई मुनासिब बात नहीं हैं। सी.बी.आई. इंक्वायरी की बात मानी जा चुकी हैं। मैं अपनी पार्टी की तरफ से यह कहता हूं कि इसकी पूरी तरह से इंक्वायरी होनी चाहिए, जांच-पड़ताल होनी चाहिए और यह राजनीतिक हत्याएं जो है बंद होनी चाहिए। अभी हमारे साथी ने यहां पर कहा मैं स्पष्ट कहना चाहूंगा कि यह देखना होगा कि आज उत्तर प्रदेश में जो परिस्थिति उभरकर अ रही हैं उसकी ज्यादा जिम्मेदारी, प्रणक्ष रूप से जिम्मेदारी किसकी हैं? ठीक हैं, एक इंस्टीट्यूशन को आपने यहां पर जो भी कहा उसके गुण

और अवगुण में मैं नहीं जाना चाहूंगा। लेकिन मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में जो हो रहा हैं, जनता सारी परेशानियों से गुजर रही हैं उसकी जिम्मेदारी संयुक्त मोर्चा सरकार की हैं और मुझे खेद होता हैं कि संयुक्त मोर्चो की सरकार वहां की जिम्मेदार मंत्रीगण जो हैं,वह राज भवन को अपने निजी राजनीतिक स्वार्थो के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं इस बात को पूरी शर्मनाक समझता हूं। इससे पहले भी उत्तर प्रदेश में कई बार इस तरह का राष्ट्रपति शासन हो चुका हैं लेकिन इस पद की गरिमा को बनाए रखने के लिए मैं समझता हूं कि हमारे जो मौजूदा राज्यपाल जी हैं, वह पूरी तरह से सक्षम नहीं हैं। जब उन पर प्रत्यक्ष रूप से एस्प्रेशन कास्ट किए जा रहे हैं, वह निस्संदेह तौर पर एक बहस का मुद्दा बन चुके हैं तो इस सरकार को देखना चाहिए कि किस तरह से उत्तर प्रदेश में वह अपनी जिम्मेदारी निभाएं। राज्यपाल का शासन इटसैल्फ कुछ शासन नहीं होता जब तक राष्ट्रपति या केंद्र सरकार उसके संबंध में अपना प्रयास नहीं करते। अब जिम्मेदारी आती हैं केंद्र सरकार की। या तो वहां से राज्यपाल को हटाएं, स्थानांतरित करें या वहां पर कोई ऐसी कमेटी बनाएं जो संसद सदस्यों की कमेटी हों,ऑल पार्टी कमेटी हो। वह वहां पर जाकर एक नजर रख सके कि वहां की परिस्थिति जो हैं वह इतनी अधिक खराब क्यों हो रही हैं।

आज उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह का फैसला किया हैं, मैं उसके गुण और अवगुण में नहीं जाना चाहूंगा। लेकिन यह कहना चाहूंगा कि कहीं आपके इस प्रयास से जिस तरह कानून अपने हाथ में ले लेने का आपने अपने कैडर को आह्नन किया हैं वहां पर सिविल वार की सिचुएशन न हो जाए। ...(व्यवधान)... आपने कहा है कि राज्यपाल को राज भवन से निकलकर किसी पब्लिक फंक्शन में जाएंगे तो हम उनका घेराव करेंगे। निश्चित रूप से वहां पर एक टकराव की परिस्थिति पैदा होगी। ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानात से किसी समस्या का समाधान नहीं होने जा रहा हैं। मुख्य रूप से हम सबको सिर जोड़ कर बैठना चाहिए। यदि वहां राजनीतिक दृष्टिकोण से कोई गलत हो रहा हैं, निहित स्वार्थो को वहां प्रेषित किया जा रहा हैं और निश्चित रूप से यह जो अखबारो में छप रहा हैं, उससे पता चलता हैं कि वहां पर सत्तापोषित गुंडागर्दी हो रही हैं। अब यदि ऐसी सत्तोपोषित गुंडागर्दी होगी तो निश्चित रूप से हम संसद सदस्यों की भी जिम्मेदारी बनती हैं कि हम उसके खिलाफ आवाज उठाएं।

अभी बनारस में जैसे हुआ, बनारस में निहत्थे विघार्थियों के ऊपर खुलेआम गोली चलाई गई। यह बहुत ही शर्मनाक घटना हैं । आज उत्तर प्रदेश के अंदर यदि कोई ग्रुप, कोई समुदाय, कोई भी गुट यदि वहां के शासन के खिलाफ कोई बात करता हें तो उसको बंद कर दिया जाता हैं, उसकी राजनीतिक हत्या करवा दी जाती हैं, यह बहुत गलत बात हैं। विघार्थियो पर गोली चलना एक बहुत ही अशोभनीय दुर्घटना हैं। इसकी पूरी तरह से जांच होनी चाहिए और मैं तो कहूंगा कि इसकी जांच किसी हाई कोर्ट के बैठे हुए जज के द्वारा होनी चाहिए। आखिर पता तो चले कि एक अरसे के बाद ऐसा शासन आ गया हैं जहां विघार्थियों की बात नहीं सुनी जा रही हैं। और मैडम, आप जानती हैं कि जब विघार्थि व्याकुल हो जाते हैं, जब नौजवान व्याकुल हो जाते हैं तो निश्चित रूप से प्रदेश की जो परिस्थिति हैं, वहऔर ज्यादा खराब होने की स्थिति में पहुंच जाती हैं।

गन्ना किसानों का भुगतान पूरी तरह से नहीं हो पा रहा हैं और पूरे प्रदेश में हमारे किसान इसे प्रभावित हैं। ऐसे सूरतेहाल में मैं आपके माध्यम से सरकार से यह चहूंगा कि इन तमाम चीजों पर तव्वज्जह करे। उत्तर प्रदेश में एक चुनी हुई सरकार क्यों नहीं बन पा रही हैं? इसकी जिम्मेदारी संयुक्त मोर्चा की हैं। यह उत्तर प्रदेश के लिए कितना अभागा अवसर हैं कि वहां के लोगों को वह अधिकार जो उन्होने वोट के जरिए हासिल किया हैं उनको एक लोकप्रिय सरकार नहीं दी जा रही हैं। किसकी जिम्मेदारी हैं यह? केवल उनकी जिम्मेदारी नहीं हैं, यह? केवल उनकी जिम्मेदारी नहीं हैं, यह हम सब की जिम्मेदारी हैं और विशेष तौर पर उनकी जिम्मेदारी हैं जो सत्ता में बैठे हुए केंद्र सरकार चला रहे हैं, पूरे देश के ऊपर हुकूमत कर रहे हैं। आप अपने कंस्टीट्यूएंट्स को कंट्रोल नहीं कर सकते? उनको निर्देश नहीं दे सकते? उनसे कह नहीं सकते कि सिर जोड़ कर बैठिए और वहां पर एक विकल्प निकालिए? अगर आपको राज्यपाल से इतनी ही शिकायत हैं कि राज्यपाल इस तरह की परिस्थिति ला रहा हैं तो वह तो अपनी जगह पर हैं लेकिन आपकी भी जिम्मेदारी हैं। कांग्रेस पार्टी तो इस बारे में बराबर कहती चली आ रही हैं कि वहां पर एक सरकार दीजिए, एक लोकप्रिय सरकार दीजिए और मैं समझती हू कि पूर्ण रूप से दिलचस्पी के साथ वहां सरकार बनाने का प्रयास नहीं किया गया है। कितने अफसोस की बात हैं कि जो मसले हैं, समस्याएं हैं, उनका समाधान जो हमारी राजनीतिक अट्टालिकाएं हैं, ये भवन हैं, संसद हैं,ि वधान सभाएं हैं, उनको करना चाहिए पर आज वे मामले कोर्ट में पड़े हुए हैं और हम इंतजार कर रहे हैं कि कोर्ट क्या कहता हैं? यह बहुत ही

गैर-मामूली सिचुएशन हैं और इसके ऊपर केंद्र सरकार को तव्वजह करनी चाहिए, प्रधान मंत्री जी को करनी चाहिए, गृह मंत्री को भी करनी चाहिए। मिनिस्ट्री के अंदर जो जिम्मेदार विभाग हैं, उनको देखना चाहिए न कि अलग से जो लोग हैं, जो उत्तर प्रदेश में हमेशा अपनी राजनीति का झंडा लहराना चाहते हैं, मैं समझता हूं कि वे एक्स्ट्रा-कंस्टीट्यूशनल अथॉरिटीज हैं जो इस तरह से वहां पर इटंरवीन कर रही हैं। तो परिस्थिति बहुत ही गंभीर हैं। इस संबंध में और चर्चा करने का मौका मिलेगा ऐसा मैं समझता हूं लेकिन तुरंत इस सरकार को इस पर चर्चा करने के लिए .....(**व्यवधान**)...

†**सید سبط رضی:** ابھی کچھ دیر پہلے جو نظارا آپنے دیکھا کہ ایک کرتا ہے کریا اور دوسرا کرتا ہے اس پر پرتی کریا اور اسکے بعد شور۔ شرابا ہوتا ہے۔ بلکل آٹھ نو سال سے ہمارا اتر پردیش انہیں گتی ودھیوں کا شکار ہو رہا ہے۔ ایک طرف سامپردائک تتو کچھ اور بات کرتے ہیں اور دوسری طرف ا سے جواب میں کچھ سو۔کالڑ سیوڈو سیکولرسٹ جو ہیں وہ آگے بڑھتے ہیں۔ ..."مداخلت"...

شری تریلوق نات چتورویدی: ہمیں بھی کہہ دیجئے۔ بڑک مہربانی ہوگی ..."مداخلت"...

شید سبط رضی: ہمارے دیش کی کروڑوں کروڑ جنتا آج گرست ہے۔ پربھاوت ہے ایسی چیزوں سے۔ وکاس رکا ہوا ہے۔ وکا س کی کوئی گتی ودھی نہیں ہو رہی ہے۔ قانون ویوستھا بالکل چرمرا گئی ہے۔ پچھلے تین چار مہینے کے

اندر وشیش طور سے پرشاسن لنج پنج ہوگیا ہے۔ ایک وسفوٹک استتھی پر پورا اتر پردیش کھڑا ہوا ہے اس بات سے تو دو رائے نہیں ہو سکتی۔ جو حتیائیں ہو رہی ہیں اس میں سادھرن ناگرک کی بات کیا کی جائے۔ کپتان مارے جا رہے ہیں، پولیس کپتان مارے جا رہے ہیں، ایس۔ڈی۔ایم۔ مارے جا رہے ہیں ، سابق پردھان منتری کا گھر سرکشت نہیں ہے۔ گانگریس کارئکرتا کے گنرس مارے جا رہے ہیں، راجنیتک حتیایئں ہو رہی ہیں اور میں کہتا ہوں کہ برپادت دویدی کی بھی حتیا حتیاؤں کی ایک کڑی ہیں۔ لیکن یدی ہم نے ان ایشوج کو راجنیتک ایشوز بناکر تتھا جنتا کے ھت کے جوان کے اوپر بات نہ کرکے ایسی استتھی کے اوپر جنتا کا دھایان آکرشت کرتے ہیں، تو میں سمجھتا ہوں کی یہ بھی موناسب بات نہیں ہے۔ سی۔بی۔ڈی۔ انکوائری کی ہمنے ڈیمانڈ کی ہے۔ سی۔بی۔آئی۔ انکوائری کی بات مانی جا چوکی ہے۔ میں اپنی پارٹی کی طرف سے یہہ کہتا ہوں کہ اسکی پوری طرح سے انکوائری ہونی چاہیئے، جانچ ۔پڑتال ہونی چاہیئے اور یہ راجنیتک حتیائیں جو ہیں بند ہونی چاہیئے۔ ابھی ہمارے ساتھی نے یہاں پر کہا ، میں اسپسٹ کہنا چاہونگا کی یہ دیکھنا ہوگا کی آج اتر پردیش میں

† Transliteration in Arabic Script

میں اپنا پریاس نہیں کرتے ۔ اب ذمہ داری آتی ہے کیندر سرکار کی۔ یا تو وہاں سے راجیہ پال کو ہٹایئں۔ ' استھانانترت کریں ۔یا وہاں پر کوئی ایسی کمیٹی بنایئں جو سنسد سدسیوں کی کمیٹی ہو' آل پارٹی کمیٹی ہوں۔ وہاں پر جاکر ایک ایک نظر رکھ سکے کی وہاں کی پرستتھی جو ہے وہ اتنی ادھک خراب کیوں ہو رہی ہیں۔

آج اتر پردیش میں بھارتیہ جنتا پارٹی نے جس طرح کا فیصلہ کیا ہے' میں اس کے گن اور اوگن میں نہیں جانا چاہونگا۔ لیکن یہ کہنا چاہونگا کی کہی آپکے اس پریاس سے جس طرح قانون اپنے ہاتھ میں لے لینے کا آپنے اپنے قیڈر کو آھوان کیا ہے وہاں پر سول وار کی سیچویشن نہ ہو جائے۔ ... مداخلت... آپنے کہا ہے کی راجہ پال راجہ بھون سے نکل کر کسی پبلک فنکشن میں جائینگے تو ہم انکا گھراؤ کرینگے ۔ نسچت روپ سے وہاں پر ایک ٹکراؤ کی پرستتھی پیدا ہوگی۔ اسے غیر ذمہ دارانہ بیانات سے کسی سمسیا کا سمادھان نہیں ہونے جا رہے ہیں۔ ماکھیہ روپ سے ہم سبکو سر جوڑ کر بیٹھنا چاہیئے۔ یدی وہاں راشٹریہ درسٹی کون سے کوئی کام غلط ہو رہا ہے' بہت سوارتھو جو پرستتھی ابھر کر آ رہی ہیں اسکی زیادہ ذمہ داری۔ پرتیکش روپ سے ذمہ داری کسکی ہے؟ ٹھیک ہے' ایک انسٹی ٹیوشن کو آپنے یہاں پر جو بھی کہا اسکے گن اور اوگن میں میں نہیں جانا چاہونگا۔ لیکن مکھیہ روپ سے اتر پردیش میں جو ہو رہا ہے' جنتا ساری پریشانیوں سے گجر رہی ہیں اسکی ذمہ داری سنیکت مورچہ سرکار کی ہے اور مجھے کھید ہوتا ہے کی سنیکت مورچہ کی سرکار وہاں کے ذمہ دار منتری گن ہے' وہ راج بھون کو اپنے نیجی راجنیتک سوارتھوں کے لئے استعمال کر رہے ہیں۔ میں اس بات کو پوری شرمناک سمجھتا ہوں۔ اس سے پہلے بھی اتر پردیش میں کئی بار اس طرح کا راشٹرپتی شاسن ہو چوکا ہے لیکن اس پد کی گریما کو بنا ئے رکھنے کیلئے میں سمجھتا ہوں کی ہمارے جو موجودہ راجیہ پال جی ہیں' وہ پوری طرح سے سمکش نہیں ہیں۔ جب ان پر پرتیکش روپ سے ایسپریشن کاسٹ کئے جا رہے ہیں' وہ نسندیہ طور پر ایک بحس کا حصہ بن چکے ہیں تو اس سرکار کو دیکھنا چاہیئے کہ کس طرح سے اتر پردیش میں وہ اپنی ذمہ داری نیبھایئں۔ راجیہ پال کا شاسن اٹ سیلف کچھ شاسن نہیں ہوتا جب تک راشٹرپتی یا کیندر سرکار اسکے سمبند

کی جو پرستھی ہے، وہ اور زیادہ خراب ہونے کی استتھی میں پہنچ جاتی ہیں۔

گناکسانوں کا بھوگتان پوری طرح سے نہیں ہو پا رہا ہے اور پورے پردیش میں ہمارے کسان اسے پربھاوت ہیں۔ اسے صورت حال میں میں آپکے مادھیم سے یہ چاہونگا کی ان تمام چیزوں پر توجہ کرے۔ اتر پردیش میں ایک چنی ہوئی سرکار کیوں نہیں بن پا رہی ہیں؟ اس کی ذمہ داری سنیکت مورچہ کی ہے۔ وہ اتر پردیش کے لئے کتنا ابھاگا اوسر ہے کی وہاں کے لوگوں کو وہ ادھیکار جو انہونے ووٹ کے ذریعہ حاصل کیا ہے، انکے ایک لوک پرئے سرکار نہیں دی جا رہی ہے۔ کسکی ذمہ داری ہے؟ کیول انکی ذمہ داری نہیں ہے، یہ ہم سب کی ذمہ داری ہے اور وشیش طور انکی ذمہ داری ہے جو ستا میں بیٹھے ہوئے ہیں کندر سرکار چلا رہے ہیں، پورے دیش کے اوپر ہکومت کر رہے ہیں۔ آپ اپنے کنسٹیٹیوٹس کو کنٹرول نہیں کر سکتے؟ انکو نردیش نہیں دے سکتے؟ ان سے کہہ نہیں سکتے کی سر جوڑ کر بیٹھئے اور وہاں پر ویکلپ نکالئے؟ اگر آپکو راجیہ پال سے اتنی ہی شکایت ہے کی راجہ پال اس طرح کی پریستھتی لا رہا ہے تو کو وہاں پوشت کیا جا رہا ہے اور نشچت روپ سے یہ جو اخباروں میں چھپ رہا ہے، اس سے پتہ چلتا ہے کہ وہاں پر ستاپوشت غنڈاگردی ہو رہی ہیں۔ اب یدی ایسی ستاپوشت غنڈاگردی گی ہو رہی ہے۔ اب یدی ایسی ستاپوشت غنڈہ گردی ہوگی تو نشچت روپ سے ہم سنسد سدسیوں کی بھی ذمہ داری بنتی ہے کی ہم اس کے خلاف آواز اٹھایئں۔

ابھی بنارس میں جسے ہوا، بنارس میں نہتھے ودیارتھیوں کے اوپر کھلے عام گولی چلائی گئی۔ یہ بہت ہی شرمناک گھٹنا ہے۔ آج اتر پردیش کے اندر یدی کوئی گروپ، کوئی سمودائے، کوئی بھی گٹ یدی وہاں کے شاسن کے خلاف کوئی بات کرتا ہے تو اسکو بند کر دیا جاتا ہے، اس کی راجنیتک حتیا کروا دی جاتی ہے، یہ بہت ہی غلط بات ہے۔ ودھارتھیوں پر گولی چلانا ایک بہت ہی اشوبھنیئ درگھٹنا ہیں۔ اسکی پوری طرح سے جانچ ہونی چاہئے اور میں تو کہونگا کی اسکی جانچ کیسی ہائی کورٹ کے بیٹھے ہوئے جج کے دوارہ ہونی چاہیئے۔ آخر پتہ تو حلے کی ایک عرصہ کے بعد ایسا شاسن آگیا ہے جہاں ودھارتھیوں کی بات نہیں سنی جا رہی ہیں۔ اور میڈم، آپ جانتی ہیں کی جب ودھارتھی ویاکل ہو جاتے ہیں، جب نوجوان ویاکل ہو جاتے ہیں تو نسچت روپ سے پردیش

اس سرکار کو اس پر چرچہ کرنی کیلئے ... مداخلت...

श्री अजीत जोगी : यह मौका अभी मिलना चाहिए। महोदया, यह बहुत गंभीर विषय हैं। इस पर गृह मंत्री को वहां कुछ कहना चाहिए। .....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (बिहार) **:** गृह मंत्री को बुलाया जाए। .....(**व्यवधान**)...

श्री अजीत जोगी : हमें हाऊस नहीं चलने देना चाहिए। .....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : मैंडम, गृह मंत्री जी आएं यहां पर।

श्री सुरिन्दर कुमार सिंगला (पंजाब) **:** गृह मंत्री को बुलाओं। .....(**व्यवधान**)...

श्री एस.आर. बोम्पई : मैडम .....(**व्यवधान**)...

श्री अजीत जोगी : मैडम, और लोगों को भी बोलने दिया जाए। .....(**व्यवधान**)...

उपसभापति : मिस्टर बोम्मई कुछ बोल रहे हैं। .....(**व्यवधान**)... वे सरकार की तरफ से कुछ बोल रहे हैं। .....(**व्यवधान**)... देखें क्या कह रहे हैं? मालूम तो पड़े क्या कह रहे हैं? .....(**व्यवधान**)...

SHRI SATISH AGARWAL: The Home Minister should be asked to come before the House and make a statement.

उपसभापति : सुन लीजिए ... सुन लीजिए, वे क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)..

सैवद सिब्बते रजी : गृह मंत्री को तुरंत आ कर यहां इटरवीन करना चाहिए। .....(**व्यवधान**)...

†**سید سبط رضی:** گرہ منتری کو تورنت آکر یہاں انٹروین کرنا چاہیئے۔... "**مداخلت**"...

उपसभापति : मैं सुनूं तो सही बोम्मई जी क्या कह रहे हैं? .....(**व्यवधान**)... आप लोग बैठेगें तो कुछ पुछुंगी। .....(**व्यवधान**)...

श्री अजीत जोगी : गोली मार रहे हैं .... छात्रों को गोली मार रहे हैं? .....(**व्यवधान**)...

† Transliteration in Arabic Script

وہ تو اپنی جگہ پر ہے لیکن آپکی بھی ذمہ داری ہیں۔ کانگریس پارٹی تو اس بارے میں برابر کہتی چلی آ رہی ہے کی وہاں پر ایک سرکار دیجئے، ایک لوک پرئے سرکار دیجیئے اور میں سمجھتا ہوں کی پورن روپ سے دلچسپی کے ساتھ وہاں سرکار بنانے کا پریاس نہیں کیا گیا ہے۔ کتنے افسوس کی بات ہے کی جو مسئلہ ہیں، انکا سمادھان جو ہماری راجنیتک اٹالیکائیں ہیں، یہ بھون ہیں، سنسد ہے، ویدھان سبھائیں ہیں۔ انکو کرنا چاہیئے پر آج وے معاملے کورٹ میں پڑے ہوئے ہیں اور ہم انتظار کر رہے ہیں کی کورٹ کیا کہتا ہے؟ یہ بہت ہی غیر معاملی سچویشن ہے اور اسکے اوپر کیندر سرکار کو توجہ کرنی چاہیئے، پردھان منتری جی کو کرنی چاہیئے، گرہ منتری کو بھی کرنی چاہیئے۔ منسٹری کے اندر جو ذمہ دار وبھاگ ہیں، انکو دیکھنا چاہیئے نہ کی الگ سے جو لوگ ہیں، جو اتر پردیش میں ہمیشہ اپنی راجنیتی کا جھنڈا لہرانا چاہتے ہیں، میں سمجھتا ہوں کی وہ ایکسٹرا۔ کنسٹی ٹیوشنل اتھارٹیز ہیں جو اس طرح سے وہاں پر انٹروین کر رہی ہیں۔ تو پرستھتی بہت ہی گمبھیر ہیں۔ اس سمبندھ میں اور چرچہ کرنے کا موقعہ ملے گا ایسا میں سمجھتا ہوں لیکن تورنت

उपसभापति : जरा इनकी बात सुन लीजिए। फिर उसके बाद जो करना हैं कर लीजिएगा। .....(**व्यवधान**)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: Let the Home Minister be called. *(Interruptions)*

SYED SIBTEY RAZI: Madam, I agree with my hon. colleagues. The Home Minister should be summoned. *(Interruptions).*

SHRI JITENDRA PRASADA (Uttar Pradesh): Madam, you direct the Government to call the Home Minister. *(Interruptions)*

SHRI SATISH AGARWAL: Madam, call the Home Minister. We are not prepared to listen to the Human Resource Development Minister. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please listen to me. *(Interruptions)*

श्री अजीत जोगी : हिंदू यूनिवर्सिटी में छात्रों को गोली मारकर बिछा दिया गया। .....(**व्यवधान**)...

श्री जितेन्द्र प्रसाद : वहां कोई भी घटना घट सकती हैं। वहां पर हालात बिगड़ सकते हैं। .....(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जाहिदी (उत्तर प्रदेश) **:** पूरे प्रदेश में आग लगी हुई हैं। वहां हत्याएं हो रही हैं। .....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : प्रधान मंत्री को बुलाया जाए। .....(**व्यवधान**)...

श्री अजीत जोगी : मर्डर पर मर्डर हो रहे है। बी.एच. यू.के. छोत्रो को मारकर गटर मे फेंक दिया गया, उनका पोस्ट मार्टम नहीं कराया गया। .....(**व्यवधान**)...

श्री सैयद सिब्ते रजी : उत्तर प्रदेश की स्थिति बहुत खराब हैं। इसका स्पष्टीकरण देने के लिए गृह मंत्री को यहां तशरीफ लाना चाहिए। .....(**व्यवधान**)...

श्री जितेन्द्र प्रसाद : यह बहुत गंभीर मामला हैं। इस मामले को टाला नहीं जा सकता। .....(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please listen to me. Otherwise, I will adjourn the House. *(Interruptions)* The House is adjourned for lunch till 2.00 P.M.

The House then adjourned for lunch at thirty-eight minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at six minutes past two of the clock, The Vice Chairman (Shri G. Swaminathan) *in the Chair.*

SYED SIBTEY RAZI: Where is the Home Minister, Sir? We have raised this issue in the morning. *(Interruptions)*...

SHRI SATISH AGARWAL: We have asked for Home Minister. *(Interruptions)*... We want the Home Minister to come and make a statement. *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI G. SWAMINATHAN): The Minister of State for Parliamentary Affairs is there. He wanted to say something.

SHRI SATISH AGARWAL: What does he want to say?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. U. VENKATESWARLU): Sir, the hon. Home Minister is held up in the other House. In the light of the discussion of this morning, I have discussed this issue with the hon. Home Minister. Since he is held up in the other House he wanted me to make a commitment here in this House.

Sir, the Government had noted the grave concern expressed by the hon. Members during Zero Hour this morning about the law and order situation in U.P. If the hon. Members bring a motion under any regular rule and the Chairman accepts and directs the Government, the Government will not have any objection to having a discussion on this issue on any mutually acceptable time and date. The Government is ready to have a discussion, Sir, if the Chair directs.

SHRI SATISH AGARWAL: A discussion is already going on. A regular

motion under rule 168 is there. A regular motion on which a vote has to be taken has already been noticed. We have already given notice. It is already pending. *(Interruptions)...*

श्री गुफरान आजम (Madhya Pradesh): क्या होम मिनिस्टर आ रहे हैं। .....(**व्यवधान**)...

SHRI SATISH AGARWAL: It is already pending. A motion under rule 168 is pending. *(Interruptions)...*

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): Your notice has not been accepted by the Chairman. *(Interruptions)...*

SHRI SATISH AGARWAL: A discussion is going on. *(Interruptions)...*

SHRI S.R. BOMMAI: Your notice has not been accepted by the Chairman. *(Interruptions)...*

SHRI SATISH AGARWAL: That is technical. You are too technical. A discussion is going on. Members will speak on this subject. How can you prevent Mr. Pranab Mukherjee and other Members from speaking? It is agitating the minds of the Members.

SHRI SIKANDER BAKHT: When we were talking informally I was given to understand that the Government was believed to have agreed to a discussion under rule 176. Therefore, let there be no more confusion whether we are going to have a discussion or not. Let it be understood clearly that we are going to have a discussion under rule 176, Short Duration Discussion, on the issue of prevailing condition in Uttar Pradesh. Let us have a very straight-forward commitment on that.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Mr. Vice-Chairman, Sir, I had a discussion with the Minister of State for Parliamentary Affairs. The discussion could be raised in two ways. As my colleague, Mr. Satish Agarwal has pointed out, a motion has already been moved under rule 168. When we discussed it with the Minister of State for Parliamentary Affairs we agreed than instead of having it under rule 168 we will give a motion under rule 176... *(Interruptions)...*

SHRI SIKANDER BAKHT: We will get our earlier motion converted into one under rule 176.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: ...or we can convert it into a discussion under rule 176. It is a question of technicalities because the Chairman will have to formally approve that motion. But it is agreed by all sides including the Government that a discussion on the situation in U.P. will take place under rule 176. That is the firm commitment we are having. Mr. Vice-Chairman, Sir, 1 think with this, the impasse can be overcome and we can start the normal business.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI G. .SWAMINATHAN): The Minister has agreed that there will be a discussion; after its acceptance by the Chairman a date and time would be fixed and at that time the Home Minister would also be present in the House and the discussion would take place. There will be no problem. It is all right.

STATEMENT REGARDING ORDINANCE

Lalit Kala Akadami (taking over of management) Ordinance, 1997

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): Sir, I beg to lay on the Table a Statement (in English and Hindi) explaining the circumstances which had necessitated immediate legislation by the Lalit Kala Akadami (Taking over of Management) Ordinance 1997. [Placed in Library. *See* LT 1361/97]